Regarding providing Astro turf in hockey ground at Sangrur, Punjab

श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर (संगरूर) : माननीय सभापति जी, मैं सदन का ध्यान एक ऐसे गांव की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं जिसके बारे में जानकर आप सबको आश्चर्य होगा। यहां अनुराग ठाकुर जी बैठे हैं, जलंधर के पास संसारपुर नाम का गांव है। एक ही गांव के 14 ओलम्पियन्स हैं, सात ओलम्पिक्स में मेडल हैं, जिनमें चार गोल्ड, एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 1975 में भारत ने जो हॉकी का विश्व कप जीता था, उसके कैप्टन अजीत पाल सिंह वहीं के थे। सारे के सारे ओलंपियन्स एक ही गली में रहने वाले और एक ही गोत्र-कुलार के हैं। लेकिन वर्ष 1976 के बाद उस गांव में से एक भी ओलंपियन नहीं मिला और एक भी मैडल नहीं मिला। उसका कारण है कि वह गांव, जालंधर एरिया का जो कैंट का एरिया है, उसकी बगल में है। उस गांव के पास न तो अपनी पंचायत की जमीन है और न ही ग्राउंड है। वे सारे बच्चे आर्मी एरिया के ग्राउंड में खेलते थे और वहां से खेलकर ओलंपिक तक पहुंच गए। लेकिन वर्ष 1976 के बाद हॉकी एस्ट्रोर्टर्फ पर चली गई और ग्राउंड वही ग्रास का रह गया। ? (व्यवधान) सर, एक मिनट दीजिए। यह विषय बहुत जरूरी है। पचास साल हो गए हैं। न तो आर्मी से एनओसी मिली और न ही आर्मी ने वहां एस्ट्रोर्टर्फ लगाने की अनुमति दी। मेरा सरकार से आग्रह है कि जिस ग्राउंड ने हमें 14 ओलंपियन्स दिए, 7 ओलंपिक के मैडल्स दिए। क्या हम वहां एक एस्ट्रोर्टर्फ नहीं दे सकते हैं? मेरा गृह मंत्री जी, खेल मंत्री जी और अनुराग जी से आग्रह है कि वहां कृपया एस्ट्रोर्टर्फ लगाई जाए, ताकि एक बार फिर से वहां ओलंपियन पैदा हो सकें।

माननीय सभापति : श्री जितेंद्र कुमार दोहरे जी।

श्री जितेंद्र कुमार दोहरे (इटावा) : माननीय सभापति महोदय, आपका धन्यवाद।

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, एक मिनट रुकिये। अनुराग जी कुछ बोलना चाहते हैं।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : माननीय सदस्य ने बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाया है। संसारपुर से हॉकी के बहुत अच्छे खिलाड़ी आते रहे हैं। उसके पास ही जालंधर कैंट में बीएसएफ का सेंटर है, वहां पर मोदी सरकार ने 7.5 करोड़ रुपये खर्च करके एस्ट्रोर्टर्फ लगा दी है। मेरा अनुरोध यह रहेगा कि हम बीएसएफ वालों से बात भी कर लेंगे, ताकि वे स्थानीय खिलाड़ियों को वहां खेलने का अवसर दें। माननीय मंत्री जी से हम भी आग्रह करेंगे कि और भी सेंटर बन सके। अगर सरकार जमीन उपलब्ध करवाए तो वह काम करवाएंगे।